सिया राम जय राम
जय जय राम
सिया राम जय राम
जय जय राम
सिया राम जय राम
जय जय राम
सिया राम जय राम
जय जय राम

ओ भूखे को खाना खिलाइये
पानी पिलाइये
प्यासे को सुबह शाम जी

ये कलयुग का दौर मिटाइए
दुनिया बचाइये
धरती पे आइये राम जी

ये कलयुग का दौर मिटाइए
दुनिया बचाइये
धरती पे आइये राम जी

तेरी जरुरत है ओ ओ ओ
तू ही मन मूरत है ओ ओ ओ

तेरी जरुरत है ओ ओ ओ
तू ही मन मूरत है ओ ओ ओ

सीता माँ की बातें बताइये
लोरियाँ सुनाइये
कराइयें सैर चारों धाम की

ये कलयुग का दौर मिटाइए
दुनिया बचाइये
धरती पे आइये राम जी

जो तेरे चरणों में माथा ना टेके
मिटटी में मिलते हुए मैंने देखे
जो लोग कहते है भगवान है नहीं
जो लोग प्रभु तेरा नाम नहीं लेते...

तीर कोई ऐसा चलाइये
अंधों को दिखाइये
शक्ति प्रभु के राम की

ये कलयुग का दौर मिटाइए
दुनिया बचाइये
धरती पे आइये राम जी

राम.. राम.. राम.. राम...
राम सिया राम

राम राम राम
राम सिया राम
राम राम राम

ये धरती शैतानों का घर बन गई
यहाँ सुबह ही सूरज ढलते है राम

अब खुश नहीं कोई किसी से यहाँ
सारे लोग इक दूजे से जलते है राम

तेरे नाम से पानी में पत्थर तरे
तरे क्या वो जो तेरी भक्ति करें
मेरे प्रभु शक्तियां अपने प्रयोग करो
दूर दुनिया के लोगों के रोग करो

हाय रोते हुए लोगों को हंसाइये
रस्ते दिखाइये
धरती पर आइये राम जी

ये कलयुग का दौर मिटाइये
दुनिया बचाइये
धरती पे आइये राम जी

ये कलयुग का दौर मिटाइए
दुनिया बचाइये
धरती पे आइये राम जी

राम सिया राम
राम राम राम
राम सिया राम
राम राम राम
सिया राम सिया राम
राम राम राम सिया राम
सिया राम सिया राम
राम राम राम सिया राम
राम सिया राम
राम राम राम
राम सिया राम
राम राम राम....